हिंदी- विभाग

मिज़ोरम विश्वविद्यालय, आइजोल

मिज़ोरम

Department of Hindi

Mizoram University, Aizawl

Mizoram

राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 के अनुरूप

द्विवर्षीय स्नातकोत्तर हिन्दी पाठ्यक्रम

As Per NEP- 2020

Two Year M.A. Hindi Syllabus

अगस्त, 2022 से प्रभावी

Implemented w.e.f. August, 2022

मिज़ोरम विश्वविद्यालय की विद्वत परिषद की बैठक, दिनांक:13.07.2022 द्वारा अनुमोदित

Approved by Academic Council, MZU Meeting held on 13.07.2022

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी :

i) हिंदी भाषा और साहित्य के गहन अध्ययन की तकनीक सीख सकेंगे।

ii) हिंदी भाषा की रचनात्मक परंपरा का ज्ञान प्राप्त करने के साथ-साथ स्वयं की रचनात्मक क्षमता का विकास कर सकेंगे।

iii) साहित्य के प्रति आलोचनात्मक दृष्टि का निर्माण कर सकेंगे।

iv) सामाजिक एवं मानवीय मूल्यों और सम्बन्धों के प्रति संवेदनशील हो सकेंगे और समाज में इन मूल्यों के संवर्धन में योगदान कर सकेंगे।

v) शोध की बुनियादी अवधारणा एवं प्रक्रिया को समझ सकेंगे।

पाठ्यक्रम विवरण
(Course Structure)

सेमेस्टर Semester	कोर्स का प्रकार Course Type	क्रेडिट Credits	कोर्स की संख्या No of Course	अंक Marks
प्रथम सेमेस्टर **1st Semester**	डिसिप्लिनरी मेजर Disciplinary Major	09	3 (3x3 Credits)	300
	इंटर-डिसिप्लिनरी मेजर Inter-Disciplinary Major	03	1 (1x3 Credits)	100
	डिसिप्लिनरी माइनर Disciplinary Minor	02	1 (1x2 Credits)	100
	इंटर-डिसिप्लिनरी माइनर Inter-Disciplinary Minor	02	1 (1x2 Credits)	100
	फील्ड प्रोजेक्ट Field Project	04	1 (1x4 Credits)	100
	कुल Total	**20**	**7**	**700**
द्वितीय सेमेस्टर **2nd Semester**	डिसिप्लिनरी मेजर Disciplinary Major	09	3 (3x3 Credits)	300
	इंटर-डिसिप्लिनरी मेजर Inter-Disciplinary Major	03	1 (1x3 Credits)	100
	डिसिप्लिनरी माइनर Disciplinary Minor	02	1 (1x2 Credits)	100
	इंटर-डिसिप्लिनरी माइनर Inter-Disciplinary Minor	02	1 (1x2 Credits)	100
	फील्ड प्रोजेक्ट Field Project	04	1 (1x4 Credits)	100
	कुल Total	**20**	**7**	**700**
तृतीय सेमेस्टर **3rd Semester**	डिसिप्लिनरी मेजर Disciplinary Major	06	2 (2x3 Credits)	200
	डिसिप्लिनरी माइनर Disciplinary Minor	02	1 (1x2 Credits)	100
	इंटर-डिसिप्लिनरी माइनर Inter-Disciplinary Minor	02	1 (1x2 Credits)	100
	फील्ड प्रोजेक्ट Field Project	04	1 (1x4 Credits)	100
	लघु शोध- प्रबंध Dissertation	06	1 (1x6 Credits)	100
	कुल Total	**20**	**6**	**600**
चतुर्थ सेमेस्टर **4th Semester**	डिसिप्लिनरी मेजर (वैकल्पिक) Disciplinary Major (Optional)	04	1 (1x4 Credits)	100
	फील्ड प्रोजेक्ट Field Project	04	1 (1x4 Credits)	100
	लघु शोध- प्रबंध Dissertation	12	1 (1x12 Credits)	100
	कुल Total	**20**	**3**	**300**
	संपूर्ण पाठ्यक्रम के दौरान कुल Total for entire programme	**80**	**23**	**2300**

कोर्स विवरण / Details of Courses

Sl. No.	Course Code	Name of Course	Type of Course	Credits Distribution			Total Credits	Marks (Scaled)
				L	T	P		
1st Semester: Total Credits = 20 (DMj= 9 Credits; IMj= 3 Credits; DMn= 2 Credits; IMn= 2 Credits; FP= 4 Credits)								
1	HIN/Mj/500	हिंदी साहित्य का इतिहास (काव्य) Hindi Sahitya Ka Itihas (Kavya)	Disciplinary Major	3	0	0	3	100
2	HIN/Mj/501	आरंभिक हिंदी कविता Aarambhik Hindi Kavita	Disciplinary Major	3	0	0	3	100
3	HIN/Mj/502	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र Bharatiya Evam Pashchatya Kavyashastra	Disciplinary Major	3	0	0	3	100
4	HIN/Mj/503	व्यावहारिक हिंदी व्याकरण Vyavaharik Hindi Vyakaran	Inter-Disciplinary Major	3	0	0	3	100
5	HIN/Mn/504	हिंदी आलोचना Hindi Aalochana	Disciplinary Minor	2	0	0	2	100
6	HIN/Mn/505A	संप्रेषणपरक हिंदी Sampreshanparak Hindi	Inter-Disciplinary Minor	2	0	0	2	100
	HIN/Mn/ 505B	आपदा जोखिम: कमी और प्रबंधन Aapada Jokhim: kami Aur Prabandhan						
7	HIN/FP/506	परियोजना कार्य-I Pariyojana Karya-I	Field Project	0	0	4	4	100
2nd Semester: Total Credits = 20 (DMj= 9 Credits; IMj= 3 Credits; DMn= 2 Credits; IMn= 2 Credits; FP= 4 Credits)								
8	HIN/Mj/550	हिंदी साहित्य का इतिहास (गद्य) Hindi Sahitya Ka Itihas (Gadya)	Disciplinary Major	3	0	0	3	100
9	HIN/Mj/551	आधुनिक हिंदी कविता Aadhunik Hindi Kavita	Disciplinary Major	3	0	0	3	100
10	HIN/Mj/552	हिंदी भाषा एवं भाषा- विज्ञान Hindi Bhasha Evam Bhasha Vigyan	Disciplinary Major	3	0	0	3	100
11	HIN/Mj/553	प्रयोजनमूलक हिंदी Prayojanmulak Hindi	Inter-Disciplinary Major	3	0	0	3	100
12	HIN/Mn/554	हिंदी नाटक एवं निबंध Hindi Natak Evam Nibandh	Disciplinary Minor	2	0	0	2	100
13	HIN/Mn/555	कंप्यूटर में हिंदी अनुप्रयोग Computer Mein Hindi Anuprayog	Inter-Disciplinary Minor	2	0	0	2	100
14	HIN/FP/556	परियोजना कार्य-II Pariyojana Karya-II	Field Project	0	0	4	4	100
3rd Semester:Total Credits = 20 (DMj= 6 Credits; DMn= 2 Credits; IMn= 2 Credits ;FP= 4 Credits; Dissertation=6 Credits)								
15	HIN/Mj/600	हिंदी कथा- साहित्य Hindi Katha Sahitya	Disciplinary Major	3	0	0	3	100
16	HIN/Mj/601	पूर्वोत्तर भारत और हिंदी साहित्य Purvottar Bharat Aur Hindi Sahitya	Disciplinary Major	3	0	0	3	100
17	HIN/Mn/602	हिंदी गद्य साहित्य: विविध विधाएँ	Disciplinary	2	0	0	2	100

			Minor					
18	HIN/Mn/603	हिंदी में रचनात्मक लेखन Hindi Mein Rachanatmak Lekhan	Inter-Disciplinary Minor	2	0	0	2	100
19	HIN/FP/604	परियोजना कार्य-III Pariyojana Karya-III	Field Project	0	0	4	4	100
20	HIN/Mj/605	लघु शोध- प्रबंध-I Laghu Shodh Prabandh-I	Dissertation	2	0	4	6	100
4th Semester: Total Credits = 20 (DMj= 4 Credits; FP= 4 Credits; Dissertation= 12 Credits)								
21	HIN/Mj/650A	कबीर: विशेष अध्ययन Kabir: Vishesh Adhyayan	Disciplinary Major (Optional)	4	0	0	4	100
	HIN/Mj/650B	प्रेमचंद: विशेष अध्ययन Premchand: Vishesh Adhyayan						
22	HIN/FP/651	परियोजना कार्य-IV Pariyojana Karya-IV	Field Project	0	0	4	4	100
23	HIN/Mj/652	लघु शोध- प्रबंध-II Laghu Shodh Prabandh-II	Dissertation	0	0	12	12	100

प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में तीन-तीन डिसिप्लिनरी मेजर कोर्स 3-3 क्रेडिट के हैं। तृतीय सेमेस्टर में दो डिसिप्लिनरी मेजर कोर्स 3-3 क्रेडिट के हैं। चतुर्थ सेमेस्टर में 4 क्रेडिट का एक डिसिप्लिनरी मेजर कोर्स है, जिसमें दो विकल्प (HIN/4/DMj/21A तथा HIN/4/DMj/21B) उपलब्ध हैं। इन विकल्पों में से किसी एक विकल्प का चुनाव विद्यार्थी को करना होगा। प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में 3-3 क्रेडिट के एक-एक इंटर-डिसिप्लिनरी मेजर कोर्स तथा एक-एक इंटर-डिसिप्लिनरी माइनर कोर्स हैं। इंटर-डिसिप्लिनरी मेजर कोर्स तथा इंटर-डिसिप्लिनरी माइनर कोर्स हिंदी के साथ-साथ विश्वविद्यालय के दूसरे विषयों के स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों के लिए भी उपलब्ध होंगे। हिंदी के विद्यार्थी भी स्वेच्छा से विश्वविद्यालय के किसी भी विषय के इंटर-डिसिप्लिनरी मेजर कोर्स तथा इंटर-डिसिप्लिनरी माइनर कोर्स का चयन कर सकते हैं। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर में 2-2 क्रेडिट के एक-एक डिसिप्लिनरी माइनर कोर्स हैं। इसके अतिरिक्त चारों सेमेस्टर में 4-4 क्रेडिट के एक-एक फील्ड प्रोजेक्ट के कोर्स हैं। तृतीय सेमेस्टर में 6 क्रेडिट का एक डीज़र्टेशन (लघु शोध- प्रबंध) का कोर्स है। चतुर्थ सेमेस्टर में 4 क्रेडिट के एक वैकल्पिक डिसिप्लिनरी मेजर कोर्स और 4 क्रेडिट के एक-एक फील्ड प्रोजेक्ट के कोर्स के साथ 12 क्रेडिट का एक डीज़र्टेशन (लघु शोध- प्रबंध) का कोर्स है। इस प्रकार स्नातकोत्तर के 4 सेमेस्टर में कुल 23 कोर्स हैं और सभी कोर्स 100-100 अंक के हैं। शिक्षण एवं परीक्षा का माध्यम हिंदी होगा। कोर्स संख्या HIN/3/Diss/20 में लघु शोध-प्रबंध हेतु तृतीय सेमेस्टर के प्रारंभ में ही किसी एक विषय का चयन विद्यार्थी को करना होगा तथा उस विषय पर शोध- प्रस्ताव तैयार करना होगा। उसी शोध विषय एवं शोध- प्रस्ताव के अनुरूप चतुर्थ सेमेस्टर में कोर्स संख्या HIN/4/Diss/23 के अंतर्गत विद्यार्थी को 40 से 50 पृष्ठ का एक लघु शोध-प्रबंध लिखकर निर्धारित समय पर विभाग में जमा करना होगा। इस पत्र हेतु सभी विद्यार्थियों के शोध-निर्देशक का निर्धारण विभाग के द्वारा तृतीय सेमेस्टर में किया जाएगा।

प्रस्तुत पाठ्यक्रम में एक वर्ष (दो सेमेस्टर) के पश्चात विद्यार्थी के पास कोर्स छोड़ने का विकल्प होगा और तब उसे एक वर्षीय पी.जी. डिप्लोमा की उपाधि प्रदान की जाएगी।

कुल क्रेडिट : 80

DMj = 28 (3x8 + 4x1) IMj = 6 (3x2) DMn = 6 (2x3)

IMn = 6 (2x3) FP = 16 (4x4) Dissertation = 18 (6x1 + 12x1)

कुल अंक : 23x100 = 2300

प्रथम सेमेस्टर

HIN/Mj/500 **हिंदी साहित्य का इतिहास (काव्य)** **क्रेडिट - 3**

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी :

i. इतिहास-दर्शन और साहित्येतिहास की अवधारणा एवं उपयोगिता से परिचित हो सकेंगे।

ii. हिंदी साहित्य के इतिहास की रूपरेखा, इतिहास लेखन की परंपरा, काल-विभाजन, सीमांकन एवं नामकरण आदि की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

iii. हिंदी साहित्य (काव्य) के आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक के विभिन्न कालखंडों की पृष्ठभूमि, नामकरण, प्रवृत्तियों एवं विविध साहित्य रूपों से परिचित हो सकेंगे।

iv. आधुनिकता की अवधारणा तथा आधुनिकीकरण की प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे।

v. हिंदी साहित्य में आधुनिकता के आरंभ के संबंध में ज्ञान हासिल कर सकेंगे।

vi. नवजागरण की अवधारणा एवं परिस्थितियों से परिचित हो सकेंगे।

vii. आदिकाल से लेकर समकालीन हिंदी कविता की विशिष्टताओं को रेखांकित करते हुए अब तक की हिंदी कविता के बदलते स्वरूप की पहचान कर सकेंगे।

इकाई 1. इतिहास-दर्शन और साहित्येतिहास, हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परंपरा, आदिकाल: पृष्ठभूमि, नामकरण, प्रवृत्तियाँ, साहित्य की विविध धाराएँ (सिद्ध, नाथ, जैन, रासो, लौकिक साहित्य)

इकाई 2. भक्ति आंदोलन, भक्ति काव्य की प्रवृत्तियाँ, भक्तिकालीन विभिन्न काव्य धाराएँ: निर्गुण काव्यधारा, सगुण काव्यधारा, रीतिकाल: पृष्ठभूमि, नामकरण, प्रवृत्तियाँ, विभिन्न काव्य धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त)

इकाई 3. आधुनिकता की अवधारणा, हिन्दी साहित्य में आधुनिकता का प्रारम्भ, हिन्दी नवजागरण, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता

सहायक ग्रंथः

1. इतिहास क्या है? - ई.एच.कार, मैकमिलन प्रकाशन, दिल्ली
2. इतिहास के बारे में - लाल बहादुर वर्मा, इतिहास बोध प्रकाशन, इलाहाबाद
3. साहित्य का इतिहास दर्शन - नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
4. साहित्य और इतिहास–दृष्टि - मैनेजर पांडेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. इतिहास और आलोचना - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
7. हिन्दी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
8. हिन्दी साहित्य उद्भव और विकास - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. हिन्दी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
12. हिन्दी साहित्य का अतीत - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
13. परंपरा का मूल्यांकन - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
14. हिन्दी साहित्यःबीसवीं शताब्दी - नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
15. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16. छायावाद - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
17. कविता के नये प्रतिमान - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
18. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

19. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
20. मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य - रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
21. शताब्दी की कविता - नंदकिशोर नवल, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
22. समकालीन काव्य यात्रा - नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
23. आधुनिक हिन्दी कविता (भाग -1 और 2) - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
24. समकालीन हिन्दी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

मूल्यांकन पद्धतिः

1. इस पत्र का पूर्णांक 100 है, जिसमें सतत मूल्यांकन हेतु 40 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 60 अंक निर्धारित हैं।
2. सतत मूल्यांकन दो चरणों में C1 एवं C2 के आधार पर किया जाएगा।
3. इस पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे निर्धारित है।
4. सत्रांत परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से एक–एक का उत्तर लिखना होगा। (3x15=45 अंक)
5. प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक-एक और कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से दो का उत्तर लिखना होगा। (2 x 7½=15 अंक)

HIN/Mj/501 **आरंभिक हिंदी कविता** **क्रेडिट - 3**

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी :

i. आरंभिक हिंदी कविता (आदिकालीन, भक्तिकालीन और रीतिकालीन) के परिदृश्य और उसकी प्रवृत्तियों से परिचित हो सकेंगे।

ii. आरंभिक हिंदी कविता (आदिकालीन, भक्तिकालीन और रीतिकालीन) और कवियों के अध्ययन–विश्लेषण की तकनीक सीख सकेंगे।

iii. सरहपा के काव्य के माध्यम से सिद्ध- साहित्य के काव्यगत वैशिष्ट्य से अवगत हो सकेंगे।

iv. चंदबरदायी की रचना 'पृथ्वीराज रासो' के माध्यम से तत्कालीन सामाजिक, राजनीतिक और साहित्यिक सरोकारों को समझ सकेंगे।

v. विद्यापति के काव्य- सौन्दर्य से परिचित हो सकेंगे।

vi. कबीर एवं जायसी की काव्यगत विशिष्टताओं से अवगत हो सकेंगे।

vii. सूरदास एवं मीराँबाई की काव्य- संवेदना से परिचित हो सकेंगे।

viii. तुलसीदास के काव्य के माध्यम से उनके सामाजिक और साहित्यिक सरोकारों को समझ सकेंगे।

ix. केशवदास की काव्य-संवेदना से परिचित हो-सकेंगे।

x. बिहारी के काव्य के माध्यम से रीतिसिद्ध साहित्य की काव्य- संवेदना से परिचित हो सकेंगे।

xi. घनानन्द के काव्य के माध्यम से रीतिमुक्त साहित्य की काव्य- संवेदना से परिचित हो सकेंगे।

इकाई 1. आदिकालीन हिंदी कविता

(क) सरहपा

पाठ्य पुस्तक- आदिकालीन काव्य, सं. वासुदेव सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

पाठ्य अंश- दोहाकोश से दोहा संख्या- 1, 2, 5, 6, 7, 9, 11, 12, 13, 14 (कुल 10 दोहे)

(ख) चंदबरदायी

पाठ्य पुस्तक– पृथ्वीराजरासो, सं. माताप्रसाद गुप्त, साहित्य सदन, चिरगाँव, झाँसी

पाठ्य अंश- कयमास वध, प्रारंभिक 05 पद

(ग) विद्यापति

पाठ्य पुस्तक– विद्यापति पदावली, सं. रामवृक्ष बेनीपुरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

पाठ्य पद संख्या-1, 3, 4, 175, 250 (कुल 05 पद)

इकाई 2. भक्तिकालीन हिंदी कविता

(क) कबीर एवं जायसी

कबीर

पाठ्य पुस्तक – कबीर, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्य पद संख्या - 134, 160, 162, 163 (कुल 4 पद)

जायसी

पाठ्य पुस्तक - जायसी ग्रंथावली, सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

पाठ्य अंश - नागमती वियोग खंड, कड़वक संख्या- 1, 4, 6, 9

(ख) सूरदास एवं मीराँबाई

सूरदास

पाठ्य पुस्तक - भ्रमरगीतसार, सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

पाठ्य पद संख्या - 9, 23, 64, 85 (कुल 4 पद)

मीराँबाई

पाठ्य पुस्तक - मीराँबाई की पदावली - सं. परशुराम चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

पाठ्य पद संख्या - 5, 18, 19, 70 (कुल 4 पद)

(ग) तुलसीदास

पाठ्य पुस्तक - रामचरितमानस, गीता प्रेस, गोरखपुर

पाठ्य अंश - उत्तरकाण्ड, दोहा- चौपाई - 117 से 128 तक

इकाई 3. रीतिकालीन हिंदी कविता

(क) केशवदास

पाठ्य पुस्तक- रीति काव्यधारा, सं. डॉ. रामचन्द्र तिवारी एवं डॉ. रामफेर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

पाठ्य अंश - रामचंद्रिका के अंतर्गत 'वनमार्ग में राम'

(ख) बिहारी

पाठ्य पुस्तक - रीति काव्यधारा, सं. डॉ. रामचन्द्र तिवारी एवं डॉ. रामफेर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

पाठ्य दोहा संख्या -1, 3, 4, 5, 21, 22, 35, 53, 62, 64 (कुल 10 दोहे)

(ग) घनानंद

पाठ्य पुस्तक - रीति काव्यधारा, सं. डॉ. रामचन्द्र तिवारी एवं डॉ. रामफेर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

पाठ्य पद संख्या - 3, 4, 7, 18, 21 (कुल 05 पद)

सहायक ग्रंथः

1. आदिकालीन हिंदी साहित्य - डॉ. शंभुनाथ पांडेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. रासो साहित्य- विमर्श - माताप्रसाद गुप्त, साहित्य भवन, इलाहाबाद
3. पृथ्वीराजरासो (भूमिका) - सं. हजारीप्रसाद द्विवेदी, साहित्य भवन, इलाहाबाद
4. पृथ्वीराज रासोः भाषा और साहित्य - नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. विद्यापतिः अनुशीलन और मूल्यांकन (खंड 1 और 2) - डॉ. वीरेन्द्र श्रीवास्तव, बिहार, हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना
6. विद्यापति - शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. कबीरः एक नयी दृष्टि – रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. जायसी ग्रंथावली (भूमिका) - सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
10. जायसीः एक नई दृष्टि - रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. जायसी - विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
12. अकथ कहानी प्रेम की : कबीर की कविता और उनका समय - पुरुषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
13. सूरदास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
14. सूर-साहित्य - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
15. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य - मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
16. मीरा और मीरा - महादेवी वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
17. पचरंग चोला पहर सखी री - माधव हाड़ा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
18. मधुमालती में प्रेम- व्यंजना - प्रो. सुशील कुमार शर्मा, उपहार प्रकाशन, दिल्ली
19. गोस्वामी तुलसीदास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
20. लोकवादी तुलसीदास - विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
21. साहित्य-ss विमर्श का विवेक - प्रो. सुशील कुमार शर्मा, मीनाक्षी प्रकाशन, दिल्ली
22. रामचरितमानस में नारी - प्रो. सुशील कुमार शर्मा, हस्ताक्षर प्रकाशन, दिल्ली
23. हिन्दी रीति साहित्य - डॉ. भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
24. केशव का आचार्यत्व - डॉ. विजयपाल सिंह, राजपाल एंड संस, दिल्ली
25. केशवदास - डॉ. विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
26. बिहारी - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
27. बिहारी का नया मूल्यांकन - बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
28. घनानंद - लल्लन सिंह, साहित्य अकादमी, दिल्ली
29. सनेह को मारग - इमरै बंघा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
30. संत साहित्य की समझ - नन्द किशोर पाण्डेय, रचना प्रकाशन, जयपुर

मूल्यांकन पद्धतिः

1. इस पत्र का पूर्णांक 100 है, जिसमें सतत मूल्यांकन हेतु 40 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 60 अंक निर्धारित हैं।
2. सतत मूल्यांकन दो चरणों में C1 एवं C2 के आधार पर किया जाएगा।
3. इस पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे निर्धारित है।
4. सत्रांत परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। (3x15=45 अंक)
5. प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक-एक और कुल चार व्याख्याएँ पूछी जाएँगी, जिनमें से दो व्याख्याएँ करनी होंगी। (2x7½=15अंक)

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी :

i. विभिन्न आचार्यों के काव्य- लक्षण संबंधी मतों की विवेचना कर सकेंगे।
ii. भारतीय काव्यशास्त्र में काव्य- हेतु विषयक चिंतन पर प्रकाश डाल सकेंगे।
iii. भारतीय काव्यशास्त्र में काव्य- प्रयोजन विषयक चिंतन पर प्रकाश डाल सकेंगे।
iv. रस- निष्पत्ति की प्रक्रिया संबंधी विभिन्न मतों का परिचय दे सकेंगे।
v. काव्य में अलंकारों एवं रीति के महत्व को समझ सकेंगे।
vi. प्लेटो के काव्य विषयक विचारों को समझ सकेंगे।
vii. अरस्तू के सिद्धांत को समझ सकेंगे।
viii. कॉलरिज के काव्य संबंधी मतों की विवेचना कर सकेंगे।
ix. आई ए रिचड्र्स के सिद्धांत को समझ सकेंगे।

इकाई 1.

(i) काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन

(ii) रस- संप्रदाय, रस: परिभाषा, अवयव, स्वरूप, रस- निष्पत्ति, साधारणीकरण

इकाई 2.

(i) अलंकार- संप्रदाय, अलंकार: परिभाषा, भेद, काव्यालंकार का महत्त्व

(ii) रीति- संप्रदाय, रीति: अवधारणा, भेद

इकाई 3.

प्लेटो- काव्य के सिद्धान्त, अरस्तू- विरेचन- सिद्धान्त, कॉलरिज- कल्पना की अवधारणा,

आई.ए. रिचड्र्स– संप्रेषण- सिद्धांत

सहायक ग्रंथः

1. भारतीय काव्यशास्त्र (भाग- 1 और 2) - बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
2. रस-मीमांसा - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
3. काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. काव्य- सिद्धांत और अध्ययन - गुलाब राय, आत्माराम एंड संस, दिल्ली
5. भारतीय काव्य-चिंतन - शोभाकान्त मिश्र, अनुपम प्रकाशन, पटना
6. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास - सुशील कुमार डे, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना
7. पाश्चात्य साहित्य चिंतन – निर्मला जैन व कुसुम बाँठिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
8. पाश्चात्य काव्य चिंतन - डॉ. शोभाकांत मिश्र,अनुपम प्रकाशन,पटना
9. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, हिन्दी समिति, लखनऊ
10. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र कोश – राजवंश सहाय 'हीरा', बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना
11. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
12. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेन्द्रनाथ शर्मा,नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
13. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ. तारकनाथ बाली,वाणी प्रकाशन, दिल्ली
14. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास – सं. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
15. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन – बच्चन सिंह, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, चंडीगढ़

मूल्यांकन पद्धतिः

1. इस पत्र का पूर्णांक 100 है, जिसमें सतत मूल्यांकन हेतु 40 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 60 अंक निर्धारित हैं।
2. सतत मूल्यांकन दो चरणों में C1 एवं C2 के आधार पर किया जाएगा।
3. इस पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे निर्धारित है।
4. सत्रांत परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से एक–एक का उत्तर लिखना होगा। (3x15=45 अंक)
5. प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक-एक और कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से दो का उत्तर लिखना होगा। (2x7½=15 अंक)

HIN/Mj/503 व्यावहारिक हिंदी व्याकरण क्रेडिट - 3

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी :

i. हिंदी व्याकरण की सामान्य संरचना को समझ सकेंगे।

ii. हिंदी वर्णमाला, शब्द एवं शब्द-निर्माण की प्रक्रिया तथा पद से परिचित हो सकेंगे।

iii. हिंदी में वाक्य की परिभाषा, प्रकार एवं निर्माण-प्रक्रिया को समझ सकेंगे।

iv. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया तथा क्रियाविशेषण के प्रयोग की समझ विकसित कर सकेंगे।

v. कारक और उसकी विभक्तियों के प्रयोग की जानकारी हासिल कर सकेंगे।

vi. वाक्यों में लिंग, वचन और पुरुष के सही-सही प्रयोग का ज्ञान हासिल कर सकेंगे।

vii. हिंद व्याकरण में काल की अवधारणा को समझ सकेंगे तथा वाक्यों में काल की उपस्थिति की पहचान कर सकेंगे।

viii. हिंदी व्याकरण में वाच्य की संकल्पना एवं उसके व्यवहार से परिचित हो सकेंगे।

ix. उपसर्ग एवं प्रत्यय के माध्यम से नए शब्द के निर्माण की प्रक्रिया को सीख सकेंगे।

x. पर्यायवाची, श्रुतिसम भिन्नार्थक, विपरीतार्थक शब्दों एवं अनेक शब्दों के लिए एक शब्द आदि के माध्यम से अपनी शब्द-सम्पदा एवं भाषा-ज्ञान को समृद्ध कर सकेंगे।

xi. हिंदी के मुहावरे-लोकोक्तियों के माध्यम से हिन्दी भाषा तथा समाज की गहरी समझ विकसित कर सकेंगे।

इकाई 1. वर्ण- परिचय, शब्द- परिचय, पद- परिचय, वाक्य- परिचय

इकाई 2. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रियाविशेषण, कारक प्रकरण, लिंग, वचन, पुरुष, काल, वाच्य

इकाई 3. उपसर्ग एवं प्रत्यय, पर्यायवाची शब्द, श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द, विपरीतार्थक शब्द, मुहावरे- लोकोक्ति, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

सहायक ग्रंथः

1. हिंदी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरू, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना - वासुदेव नंदन प्रसाद, भारती भवन, पटना
3. हिंदी व्याकरण और रचना - डॉ. वचनदेव कुमार, भारती भवन, पटना
4. हिंदी व्याकरण की सरल पद्धति - डॉ. बदरीनाथ कपूर, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. हिंदी व्याकरण - रामचंद्र वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. सुबोध हिंदी व्याकरण - मीनाक्षी अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिंदी का शुद्धिपरक व्याकरण - प्रो. रमेश चन्द्र मेहरोत्रा, वाणी प्रकाशन दिल्ली
8. वृहद हिंदी व्याकरण - डॉ. रवि प्रकाश गुप्त, अरू पब्लिकेशन प्रा.लि, नई दिल्ली
9. व्यावहारिक हिंदी संरचना और अभ्यास - सं. बाल गोविन्द मिश्र, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
10. मानक हिंदी व्याकरण और रचना - सं. रमानाथ सहाय, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली
11. हिंदी व्याकरण - हरदेव बाहरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. मानक हिंदी व्याकरण - प्रो. रमेश चन्द्र मेहरोत्रा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
13. हिंदी व्याकरण - डॉ. राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी, उपकार प्रकाशन, आगरा

मूल्यांकन पद्धतिः

1. इस पत्र का पूर्णांक 100 है, जिसमें सतत मूल्यांकन हेतु 40 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 60 अंक निर्धारित हैं।
2. सतत मूल्यांकन दो चरणों में C1 एवं C2 के आधार पर किया जाएगा।
3. इस पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे निर्धारित है।
4. सत्रांत परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से एक–एक का उत्तर लिखना होगा। (3x15=45 अंक)
5. प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक-एक और कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से दो का उत्तर लिखना होगा। (2x7½=15 अंक)

HIN/Mn/504 **हिंदी आलोचना** **क्रेडिट - 2**

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी :

i. आलोचना की अवधारणा और स्वरूप को समझ सकेंगे।
ii. हिंदी आलोचना के विकास और उसके विभिन्न चरणों से परिचित हो सकेंगे।
iii. हिंदी आलोचना की विविध दृष्टियों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
iv. हिंदी के प्रमुख आलोचकों – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नंददुलारे वजपेयी, हजारीप्रसाद द्विवेदी और रामविलास शर्मा की आलोचना- दृष्टि एवं सिद्धांत की विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे।

इकाई 1. आलोचना की अवधारणा, हिंदी आलोचना का विकास, आलोचना की विविध दृष्टियाँ: शास्त्रीय, प्रगतिवादी, समाजशास्त्रीय, मनोविश्लेषणवादी, तुलनात्मक आलोचना, दलितवादी आलोचना, नारीवादी आलोचना

इकाई 2. हिंदी के प्रमुख आलोचक : सिद्धांत एवं आलोचना-दृष्टि

i. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
ii. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
iii. आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
iv. डॉ. रामविलास शर्मा

सहायक ग्रंथः

1. हिंदी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी आलोचना का विकास – डॉ. नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. आलोचक और आलोचना – कमला प्रसाद, आधार प्रकाशन, पंचकूला
4. आलोचना की सामाजिकता – मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पाण्डेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (हिन्दी आलोचक) – डॉ.रामचन्द्र तिवारी, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
7. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. इतिहास और आलोचना – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र – ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
11. दलित विमर्श की भूमिका – कंवल भारती, इतिहासबोध प्रकाशन, इलाहाबाद
12. स्त्री उपेक्षिता – सीमोन द बोउवार, (अनु.– प्रभा खेतान), हिन्द पाकेट बुक्स, दिल्ली

मूल्यांकन पद्धतिः

1. इस पत्र का पूर्णांक 100 है, जिसमें सतत मूल्यांकन हेतु 40 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 60 अंक निर्धारित हैं।
2. सतत मूल्यांकन दो चरणों में C1 एवं C2 के आधार पर किया जाएगा।
3. इस पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे निर्धारित है।
4. सत्रांत परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। (2x20=40 अंक)
5. प्रत्येक इकाई से दो-दो और कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से दो का उत्तर लिखना होगा। (2x10=20 अंक)

HIN/Mn/505A (वैकल्पिक): संप्रेषणपरक हिंदी क्रेडिट - 2

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी :

i. संप्रेषण की अवधारणा, प्रकार, माध्यम तथा महत्व से अवगत हो सकेंगे।
ii. संप्रेषणपरक हिंदी के अभिप्राय और स्वरूप को समझ सकेंगे।
iii. संप्रेषणपरक हिंदी की प्रक्रिया और उसके विभिन्न चरणों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
iv. संप्रेषणपरक हिंदी की समस्याओं से अवगत हो सकेंगे।
v. हिंदी में संप्रेषण करने की क्षमता विकसित कर सकेंगे।

इकाई 1. संप्रेषण: अवधारणा

प्रकार: मौखिक एवं लिखित

माध्यम: एकालाप, संवाद, सामूहिक चर्चा एवं मशीनी माध्यम

महत्व

इकाई 2. हिंदी सम्प्रेषण

मौखिक: बोलना, भाषण, आशुभाषण, वाद-विवाद, समाचार- वाचन

लिखित: पत्र- लेखन, अनुच्छेद- लेखन, संक्षेपन, पल्लवन, निबंध- लेखन

सहायक ग्रंथः

1. भाषिक संप्रेषण: विविध आयाम - डॉ. आभा सक्सेना, डॉ. नीना अग्रवाल, के. एल. पचौरी प्रकाशन, गाजियाबाद
2. हिंदी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरु, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना - वासुदेव नंदन प्रसाद, भारती भवन, पटना
4. हिंदी व्याकरण और रचना - डॉ. वचनदेव कुमार, भारती भवन, पटना
5. हिंदी व्याकरण की सरल पद्धति - डॉ. बदरीनाथ कपूर, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. हिंदी का शुद्धिपरक व्याकरण - प्रो. रमेश चन्द्र मेहरोत्रा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. व्यावहारिक हिंदी संरचना और अभ्यास - सं. बाल गोविन्द मिश्र, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
8. व्यावहारिक हिंदी संरचना एवं अभ्यास पुस्तिका - केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

मूल्यांकन पद्धतिः

1. इस पत्र का पूर्णांक 100 है, जिसमें सतत मूल्यांकन हेतु 40 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 60 अंक निर्धारित हैं।
2. सतत मूल्यांकन दो चरणों में C1 एवं C2 के आधार पर किया जाएगा।
3. इस पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे निर्धारित है।
4. सत्रांत परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक का उत्तर लिखना होगा। (20x2=40 अंक)
5. प्रत्येक इकाई से दो–दो कुल चार टिप्पणियाँ या लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से दो का उत्तर लिखना होगा। (10x2=20 अंक)

HIN/Mn/505B (वैकल्पिक): आपदा जोखिम: कमी और प्रबंधन क्रेडिट - 2

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी :

i. आपदा की अवधारणा, कारक और महत्व से अवगत हो सकेंगे।
ii. आपदा के प्रभाव और खतरों को समझ सकेंगे।
iii. आपदा का वर्गीकरण, इतिहास और प्राकृतिक खतरों के प्रकारों को जान सकेंगे।
iv. पर्यावरणीय प्रभाव; ओलावृष्टि, गर्म हवाएँ और उष्मीय, शीत लहरें, पाला और कोहरा की समस्याओं से अवगत हो सकेंगे।

इकाई 1. आपदा प्रबंधन का परिचय:

आपदा : अवधारणा, कारक और महत्व, आपदा चक्र, सुरक्षा की आपदा संस्कृति के चरण। रोकथाम, शमन और समुदाय आधारित डीआरआर, आपदा के प्रभाव और खतरे

इकाई 2. प्राकृतिक खतरे

आपदा का वर्गीकरण, आपदा का इतिहास और प्राकृतिक खतरों के प्रकार: भूकंप, ज्वालामुखी, चक्रवात, सुनामी, बाढ़, सूखा और अकाल, भूस्खलन और हिमस्खलन, और GLOF, पर्यावरणीय प्रभाव, ओलावृष्टि, गर्म हवाएँ और उष्मीय, शीत लहरें, पाला और कोहरा

सहायक ग्रंथः

1. आपदा प्रबंधन - आर. सुब्रमण्यम, विकास पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2. आपदा शिक्षा और प्रबंधन- भंडारी और राजेंद्र कुमार, स्प्रिंगर, न्यूयार्क
3. डिजास्टर रिस्क रिडक्शन इन साउथ एशिया- प्रदीप साहनी, प्रेंटिस हॉल, दिल्ली
4. आपदा प्रबंधन की पुस्तिका: तकनीक और दिशानिर्देश- बी.के. सिंह, रजत प्रकाशन,दिल्ली
5. आपदा प्रबंधन - जी.के. घोष, एपीएच प्रकाशन निगम, नई दिल्ली

मूल्यांकन पद्धतिः

1. इस पत्र का पूर्णांक 100 है, जिसमें सतत मूल्यांकन हेतु 40 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 60 अंक निर्धारित हैं।
2. सतत मूल्यांकन दो चरणों में C1 एवं C2 के आधार पर किया जाएगा।
3. इस पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे निर्धारित है।
4. सत्रांत परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से एक–एक का उत्तर लिखना होगा। (20x2=40 अंक)
5. प्रत्येक इकाई से दो–दो कुल चार टिप्पणियाँ या लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से दो का उत्तर लिखना होगा। (10x2=20 अंक

परियोजना कार्य हेतु सेमेस्टर के प्रारम्भ में ही किसी एक विषय/ संस्था का चयन विद्यार्थी को करना होगा, जिस पर उसे 10 से 20 पृष्ठ का लिखित प्रतिवेदन विभाग में जमा करना होगा।

मूल्यांकन पद्धति:

1. इस पत्र का पूर्णांक 100 है, जिसमें सतत मूल्यांकन हेतु 40 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 60 अंक निर्धारित हैं।
2. सतत मूल्यांकन दो चरणों में C1 एवं C2 के आधार पर किया जाएगा।
3. इस पत्र की सत्रांत परीक्षा लिखित प्रतिवेदन 35 अंक और उसकी प्रस्तुति एवं मौखिकी का मूल्यांकन 25 अंक के आधार पर किया जाएगा।

द्वितीय सेमेस्टर

HIN/Mj/550 **हिंदी साहित्य का इतिहास (गद्य)** **क्रेडिट - 3**

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी :

i. हिंदी साहित्य में गद्य के विकास से परिचित हो सकेंगे।
ii. हिंदी गद्य के विकास में विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं की भूमिका का ज्ञान हासिल कर सकेंगे।
iii. हिंदी कहानी एवं उपन्यास के उद्भव एवं विकास से अवगत हो सकेंगे।
iv. हिंदी आलोचना की परंपरा और प्रवृत्तियों से परिचित हो सकेंगे।
v. हिंदी नाटक एवं निबंध के उद्भव एवं विकास से अवगत हो सकेंगे।
vi. हिंदी गद्य की अन्य महत्वपूर्ण विधाओं के उद्भव-विकास एवं प्रवृत्तियों से परिचित हो सकेंगे।

इकाई 1. हिंदी गद्य का विकास: ईसाई मिशनरियाँ, फोर्ट विलियम कॉलेज, सामाजिक–धार्मिक संस्थाओं की भूमिका, हिन्दी कहानी एवं उपन्यास: उद्भव– विकास एवं प्रवृत्तियाँ

इकाई 2. विविध गद्य विधाएँ: I– नाटक, निबंध एवं आलोचना: उद्भव–विकास एवं प्रवृत्तियाँ

इकाई 3. विविध गद्य विधाएँ: II–रेखाचित्र–संस्मरण, जीवनी–आत्मकथा, यात्रा वृत्तांत, साक्षात्कार: उद्भव–विकास एवं प्रवृत्तियाँ

सहायक ग्रंथः

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिंदी साहित्य: बीसवीं शताब्दी – नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिंदी उपन्यास का इतिहास – गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी कहानी का इतिहास – गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. हिंदी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिंदी आलोचना: बीसवीं शताब्दी – निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
9. हिंदी आलोचना का विकास – नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

मूल्यांकन पद्धतिः

1. इस पत्र का पूर्णांक 100 है, जिसमें सतत मूल्यांकन हेतु 40 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 60 अंक निर्धारित हैं।
2. सतत मूल्यांकन दो चरणों में C1 एवं C 2 के आधार पर किया जाएगा।
3. इस पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे निर्धारित है।
4. सत्रांत परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। (3x15=45 अंक)
5. प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक-एक और कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से दो का उत्तर लिखना होगा। (2x7½=15 अंक)

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी :

i. आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद, छायावादोत्तर और समकालीन कविता) के परिदृश्य और प्रवृतिओं को जान सकेंगे।

ii. जयशंकर प्रसाद के कवि व्यक्तित्व की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे तथा उनकी कविता 'कामायनी' का मूल्यांकन कर सकेंगे ।

iii. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की कविता "राम की शक्ति पूजा" के काव्यगत वैशिष्ट्य को जान सकेंगे ।

iv. महादेवी वर्मा के रहस्यवादी कवि की छवि की सच्चाई को समझ सकेंगे तथा उनकी कविता 'जाग तुझको दूर जाना' का पाठ और मूल्यांकन कर सकेंगे ।

v. दिनकर की रश्मिरथी के आधार पर उनकी कविता की विशिष्टता से अवगत हो सकेंगे।

vi. 'असाध्यवीणा' कविता के आधार पर अज्ञेय का मूल्यांकन कर सकेंगे।

vii. 'अंधेरे में' कविता के आधार पर मुक्तिबोध के काव्य की विशेषताओं को समझ सकेंगे।

viii. नागार्जुन की कविता के आधार पर उनकी कविता की विशिष्टता से अवगत हो सकेंगे।

ix. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना की काव्य-संवेदना से परिचित हो सकेंगे।

x. केदारनाथ सिंह कविता के आधार पर समकालीन हिन्दी कविता की विशिष्टताओं को रेखांकित कर सकेंगे।

इकाई 1. छायावादी हिंदी कविता

(क) जयशंकर प्रसाद – कामायनी (श्रद्धा सर्ग),

पाठ्य पुस्तक – कामायनी, जयशंकर प्रसाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

(ख) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – राम की शक्तिपूजा

पाठ्य पुस्तक – राग–विराग, सं. रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

(ग) महादेवी –जाग तुझको दूर जाना

पाठ्य पुस्तक – संधिनी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

इकाई 2. छायावादोत्तर हिन्दी कविता

(क) रामधारी सिंह दिनकर – रश्मिरथी (तृतीय सर्ग)

पाठ्य पुस्तक – रश्मिरथी, रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

(ख) अज्ञेय – असाध्य वीणा

पाठ्य पुस्तक – आँगन के पार द्वार, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली

(ग) मुक्तिबोध– अंधेरे में

पाठ्य पुस्तक – प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई 3. समकालीन हिन्दी कविता

(क) नागार्जुन – कालिदास

पाठ्य पुस्तक: प्रतिनिधि कविताएँ, सं. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

(ख) सर्वेश्वरदयाल सक्सेना – तुम्हारे साथ रहकर

पाठ्य पुस्तक: प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

(क) केदारनाथ सिंह - फर्क नहीं पडता

पाठ्य पुस्तकः प्रतिनिधि कविताएँ, सं. परमानन्द श्रीवास्तव,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सहायक ग्रंथः

1. छायावाद – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. आधुनिक हिंदी कविता (भाग 1 और 2) – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. जयशंकर प्रसाद – रमेशचन्द्र शाह, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
5. निराला (आधुनिक हिंदी कवि) – परमानंद श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
6. महीयसी महादेवी – गंगा प्रसाद पांडेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. महादेवी – इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
8. महादेवी – परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. समकालीन हिन्दी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. समकालीन काव्य यात्रा – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. नयी कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
12. नयी कविता के प्रतिमान – लक्ष्मीकांत वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
14. कविता का यथार्थ – डॉ. परमानन्द श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
15. अज्ञेय: कविकर्म का संकट – कृष्णदत्त पालीवाल, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली
16. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या – रामस्वरूप चतुर्वेदी, ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
17. मुक्तिबोध: एक अवधूत कविता – श्री नरेश मेहता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
18. नागार्जुन और उनका रचना संसार – विजयबहादुर सिंह, हिन्दी बुक सेंटर, दिल्ली
19. नागार्जुन की कविता- अजय तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
20. नागार्जुन : अंतरंग और सृजन कर्म - सं. मुरली मनोहर प्रसाद सिंह/ चंचल चौहान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
21. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का रचना कर्म - कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
22. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना- कृष्णदत्त पालीवाल, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
23. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना: दृष्टि और सृष्टि – प्रो. सुशील कुमार शर्मा, शान्ति मुद्रणालय, दिल्ली
24. कवि केदारनाथ सिंह - सं. भारत यायावर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
25. दिनकर का प्रबंध- शिल्प- डॉ. नवीन कुमार, मीनाक्षी प्रकाशन, दिल्ली
26. चिंतन के विविध आयाम: प्रो. सुशील कुमार शर्मा, मीनाक्षी प्रकाशन, दिल्ली

मूल्यांकन पद्धतिः

1. इस पत्र का पूर्णांक 100 है, जिसमें सतत मूल्यांकन हेतु 40 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 60 अंक निर्धारित हैं।
2. सतत मूल्यांकन दो चरणों में C1 एवं C 2 के आधार पर किया जाएगा।
3. इस पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे निर्धारित है।
4. सत्रांत परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। (3x15=45 अंक)
5. प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक-एक और कुल चार व्याख्याएँ पूछी जाएँगी, जिनमें से दो व्याख्याएँ करनी होंगी। (2x7½=15 अंक)

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी :

i. हिंदी भाषा के उद्भव और विकास प्रकिया को समझ सकेंगे ।
ii. हिंदी की विभिन्न बोलियों और उसके क्षेत्रों का परिचय प्राप्त करेंगे तथा भाषा और बोली के बीच संबध और अंतर को समझ सकेंगे ।
iii. नागरी लिपि के विकास क्रम को जान सकेंगे और उसके गुण दोष से परिचित हो सकेंगे ।
iv. भाषा विज्ञान के स्वरूप को समझ सकेंगे।
v. हिंदी के स्वर और व्यंजनों को समझ सकेंगे।
vi. वाक्य विज्ञान और अर्थ विज्ञान के परिवर्तन के कारणों को समझ सकेंगे।

इकाई 1. हिंदी भाषा का विकास, भाषा और बोली का संबंध, हिंदी की बोलियाँ, देवनागरी लिपि: गुण-दोष, मानकीकरण

इकाई 2. भाषा विज्ञान: परिभाषा, अंग, भाषा वैज्ञानिक अध्ययन की शाखाएँ– वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, ध्वनि विज्ञानः ध्वनि का वर्गीकरण- स्वर और व्यंजन

इकाई 3. (i) वाक्य विज्ञान: परिभाषा, तत्व, अवयव, भेद, वाक्य- परिवर्तन
(ii) अर्थ विज्ञान: अर्थ की अवधारणा, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ

सहायक ग्रंथः

1. भारतीय आर्यभाषा और हिंदी - सुनीति कुमार चटर्जी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भाषा और समाज - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि – धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
4. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास - उदय नारायण तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिंदी भाषा का विकास - गोपाल राय, अनुपम प्रकाशन, पटना
6. नागरी लिपि और हिंदी वर्तनी - अनंतलाल चौधरी, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना
7. हिंदी उद्भव विकास और रूप - हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद
8. हिंदी भाषा का इतिहास - भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. हिंदी भाषा की संरचना - हरदेव बाहरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. देवनागरी लिपि का मानकीकरण एवं वर्तनी- केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली
11. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
12. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र नाथ शर्मा, अनुपम प्रकाशन, पटना
13. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत – रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र – कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

मूल्यांकन पद्धतिः

1. इस पत्र का पूर्णांक 100 है, जिसमें सतत मूल्यांकन हेतु 40 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 60 अंक निर्धारित हैं।
2. सतत मूल्यांकन दो चरणों में C1 एवं C 2 के आधार पर किया जाएगा।
3. इस पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे निर्धारित है।
4. सत्रांत परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। (3x15=45 अंक)
5. प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक-एक और कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से दो का उत्तर लिखना होगा। (2x7½=15 अंक)

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी :

i. प्रयोजनमूलक हिंदी की संकल्पना और स्वरूप को समझ सकेंगे।
ii. प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध आयामों और रूपों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
iii. प्रयोजनमूलक हिंदी की आवश्यकता एवं महत्त्व को समझ सकेंगे।
iv. प्रयोजनमूलक हिंदी की समस्याओं से अवगत हो सकेंगे।
v. राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा और विश्वभाषा के रूप में हिंदी की स्थिति से परिचित हो सकेंगे।
vi. राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति, नियम-अधिनियम की जानकारी हासिल कर सकेंगे ।
vii. कार्यालयी कार्य प्रणाली के विविध आयामों मेंहिंदी के प्रयोग की क्षमता विकसित कर सकेंगे।
viii. पारिभाषिक शब्दावली के स्वरूप एवं निर्माण के सिद्धांतों से परिचित हो सकेंगे।

इकाई 1. प्रयोजनमूलक हिंदी की संकल्पना और उसके विविध आयाम: कार्यालयी हिंदी, जनसंचार की हिंदी, वित्त एवं वाणिज्य की हिंदी, विज्ञान, तकनीकी एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र की हिंदी, विज्ञापन में हिंदी

इकाई 2. राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, राजभाषा, विश्वभाषा के रूप में हिंदी, हिंदी की संवैधानिक स्थिति, नियम एवं अधिनियम

इकाई 3. कार्यालयी कार्य-पद्धति के विविध आयाम: पत्र लेखन एवं उसके प्रकार, प्रारूप लेखन, प्रतिवेदन, टिप्पणी, अधिसूचना, अनुस्मारक, पृष्ठांकन, संक्षेपण, ज्ञापन, परिपत्र, पारिभाषिक शब्दावली- स्वरूप एवं महत्त्व, पारिभाषिक शब्द: निर्माण के सिद्धांत

सहायक ग्रंथः

1. प्रयोजनमूलक हिंदी: सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, पटना
4. प्रयोजनमूलक हिंदी - विजयपाल सिंह, हिंदी बुक सेंटर,दिल्ली
5. प्रयोजनमूलक हिंदी - रवीन्द्र नाथ श्रीवास्ताव, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
6. राजभाषा हिंदी - कैलाश चन्द्र भाटिया, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली
7. प्रशासनिक हिंदी - पूरनचन्द टण्डन, पाण्डुलिपि प्रकाशन, दिल्ली
8. प्रशासनिक शब्दावली - वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, दिल्ली
9. प्रयोजनमूलक हिंदी के आधुनिक आयाम - डॉ. महेन्द्र सिंह राणा, हर्षा प्रकाशन, आगरा
10. राष्ट्रभाषा हिंदी और उसकी समस्याएँ– देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

मूल्यांकन पद्धतिः

1. इस पत्र का पूर्णांक 100 है, जिसमें सतत मूल्यांकन हेतु 40 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 60 अंक निर्धारित हैं।
2. सतत मूल्यांकन दो चरणों में C1 एवं C 2 के आधार पर किया जाएगा।
3. इस पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे निर्धारित है।
4. सत्रांत परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से एक–एक का उत्तर लिखना होगा। (3x15=45 अंक)
5. प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक-एक और कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से दो का उत्तर लिखना होगा। (2x7½=15 अंक

HIN/Mn/554 **हिंदी नाटक एवं निबंध** **क्रेडिट - 2**

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी :

i. नाटककार के रूप में भारतेंदु हरिश्चंद्र की भूमिका और अंधेर नगरी नाटक के महत्त्व को समझ सकेंगे।

ii. नाटककार के रूप में जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व से परिचित हो सकेंगे तथा चन्द्रगुप्त नाटक का विभिन्न दृष्टिकोणों से विवेचन विश्लेषण कर सकेंगे।

iii. मोहन राकेश के नाटककार रूप को जान सकेंगे तथा आषाढ़ का एक दिन नाटक का विभिन्न परिप्रेक्ष्य में मूल्यांकन कर सकेंगे।

iv. निबंधकार बालकृष्ण भट्ट, बालमुकुन्द गुप्त, रामचंद्र शुक्ल तथा रामधारी सिंह दिनकर के निबंधों का विवेचन-विश्लेषण कर सकेंगे।

v. हजारीप्रसाद द्विवेदी, हरिशंकर परसाई, विद्यानिवास मिश्र तथा कुबेरनाथराय के निबंधों की समीक्षा कर सकेंगे।

इकाई 1. अंधेर नगरी – भारतेन्दु हरिश्चंद्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

चन्द्रगुप्त – जयशंकर प्रसाद,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश,राजपाल एंड संस, दिल्ली

इकाई 2. **निबन्ध: पाठ्य पुस्तक:** निबंध निकष- सं. रामचन्द्र तिवारी,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

पाठ्य निबंध-

i. बालकृष्ण भट्ट- साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है
ii. बालमुकुन्द गुप्त- शिवशम्भु के चिट्ठे
iii. रामचन्द्र शुक्ल- कविता क्या है?
Iv. हजारीप्रसाद द्विवेदी- नाखून क्यों बढ़ते हैं?
v. रामधारी सिंह दिनकर- भारत की सांस्कृतिक एकता
vi. हरिशंकर परसाई- पगडंडियों का जमाना
vii. विद्यानिवास मिश्र- मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
viii. कुबेरनाथ राय- उत्तराफाल्गुनी के आस-पास

सहायक ग्रंथः

1. हिंदी नाटक - बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. रंगदर्शन - नेमिचंद्र जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच - नेमिचंद्र जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ - डॉ.रामविलास शर्मा,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भारतेन्दु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा - डॉ.रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. नाटककार भारतेन्दु की रंग परिकल्पना - सत्येन्द्र तनेजा,राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
7. जयशंकर प्रसाद: एक पुनर्मूल्यांकन - प्रभाकर श्रोत्रिय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. नाटककार जयशंकर प्रसाद - सत्येन्द्र तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
9. मोहन राकेश (हिंदी लेखक) – प्रतिभा अग्रवाल, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
10. आधुनिक नाटक का अग्रदूत:मोहन राकेश - गोविंद चातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
11. हिंद निबंध और निबंधकार - रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
12. हिंदी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली
13. हिंदी गद्य:विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. आधुनिक गद्य की विविध विधाएँ - उदयभानु सिंह ,वाणी प्रकाशन, दिल्ली
15. दिनकर का प्रबंध- शिल्प - डॉ. नवीन कुमार, मीनाक्षी प्रकाशन, दिल्ली

मूल्यांकन पद्धतिः

1. इस पत्र का पूर्णांक 100 है, जिसमें सतत मूल्यांकन हेतु 40 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 60 अंक निर्धारित हैं।
2. सतत मूल्यांकन दो चरणों में C1एवं C 2 के आधार पर किया जाएगा।
3. इस पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे निर्धारित है।
4. सत्रांत परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा।(2x20=40 अंक)
5. प्रत्येक इकाई से दो-दो कुल चार व्याख्याएँ पूछी जाएँगी, जिनमें से दो व्याख्याएँ करनी होंगी। (2x10=20 अंक)

HIN/Mn/555 **कम्प्यूटर में हिंदी अनुप्रयोग** **क्रेडिट - 2**

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी :

i. कम्प्यूटर में हिंदी अनुप्रयोग के इतिहास और उसके स्वरूप को जान सकेंगे।

ii. कम्प्यूटर में हिंदी अनुप्रयोग की समस्याओं और संभावनाओं से परिचित हो सकेंगे।

iii. हिंदी भाषा, साहित्य और शोध से संबंधित विभिन्न वेबसाइट और इ कंटेंट- का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

iv. माइक्रोसॉफ़्ट ऑफिस, गूगल खाता एवं गूगल ड्राइव और सोशल मीडिया (फेसबुक, व्हाट्स ऐप आदि) पर हिंदी के अनुप्रयोग के व्यावहारिक पक्ष से अवगत हो सकेंगे।

v. हिंदी वॉइस टाइपिंग के टूल्स से परिचित हो सकेंगे।

vi. विभिन्न हिंदी फॉन्ट और उनके परस्पर परिवर्तन की समस्या के व्यावहारिक पक्ष से अवगत हो सकेंगे।

इकाई 1. कम्प्यूटर में हिंदी अनुप्रयोग: इतिहास, स्वरूप, संभावनाएँ और समस्याएँ, हिन्दी भाषा, साहित्य और शोध से संबंधित विभिन्न वेबसाइट और इ-कंटेंट

इकाई 2. माइक्रोसॉफ़्ट ऑफिस में हिंदी अनुप्रयोग, गूगल खाता एवं गूगल ड्राइव में हिंदी अनुप्रयोग, ऑनलाइन मशीन अनुवाद और हिंदी, सोशल मीडिया (फेसबुक, व्हाट्स ऐप आदि) पर हिंदी अनुप्रयोग, हिन्दी वॉइस टाइपिंग, विभिन्न हिंदी फॉन्ट और उनके परस्पर परिवर्तन की समस्या

सहायक ग्रंथः

1. कम्प्यूटर का सहज बोध - इकबाल मुजफ्फर अली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. मानव मित्र कम्प्यूटर - प्रशांत भूषण, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कम्प्यूटर: क्या, क्यों और कैसे - रामबंसल 'विज्ञाचार्य', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कम्प्यूटर सामान्य ज्ञान एवं यूजर गाइड - रामबंसल 'विज्ञाचार्य', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग - विजय कुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. विश्व बाजार में हिन्दी - संपा.: महिपाल सिंह, देवेंद्र मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिन्दी भाषा की परंपरा: प्रयोग और संभावनाएँ - संपा.: उदयन मिश्र, प्रकाश उदय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. वर्तमान परिदृश्य में हिंदी - मनीला कुमारी, नोशन प्रेस, चेन्नई

मूल्यांकन पद्धतिः

1. इस पत्र का पूर्णांक 100 है, जिसमें सतत मूल्यांकन हेतु 40 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 60 अंक निर्धारित हैं।
2. सतत मूल्यांकन दो चरणों में C1 एवं C 2 के आधार पर किया जाएगा।
3. इस पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे निर्धारित है।
4. सत्रांत परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से एक–एक का उत्तर लिखना होगा। (2x20=40 अंक)
5. प्रत्येक इकाई से दो–दो और कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से दो का उत्तर लिखना होगा। (2x10=20 अंक)

HIN/FP/556 **परियोजना कार्य - II** **क्रेडिट – 4**

परियोजना कार्य हेतु सेमेस्टर के प्रारम्भ में ही किसी एक विषय/ संस्था का चयन विद्यार्थी को करना होगा जिस पर उसे 10 से 20 पृष्ठ का लिखित प्रतिवेदन विभाग में जमा करना होगा।

मूल्यांकन पद्धति :

1. इस पत्र का पूर्णांक 100 है, जिसमें सतत मूल्यांकन हेतु 40 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 60 अंक निर्धारित हैं।
2. सतत मूल्यांकन दो चरणों में C1 एवं C2 के आधार पर किया जाएगा।
3. इस पत्र की सत्रांत परीक्षा लिखित प्रतिवेदन 35 अंक और उसकी प्रस्तुति एवं मौखिकी का मूल्यांकन 25 अंक के आधार पर किया जाएगा।

तृतीय सेमेस्टर

HIN/Mj/600 **हिंदी कथा- साहित्य** **क्रेडिट - 3**

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी :

i. उपन्यासकार के रूप में प्रेमचंद के महत्त्व को समझ सकेंगे तथा उनके उपन्यास 'गोदान' को विभिन्न दृष्टिकोणों से विवेचित विश्लेषित कर सकेंगे।
ii. भीष्म साहनी के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे तथा उनके उपन्यास 'तमस' की समीक्षा कर सकेंगे।
iii. पूर्व प्रेमचंद, प्रेमचंद युग तथा प्रेमचंदोत्तर युग की कहानियों की प्रवृत्तियों से परिचित हो सकेंगे।
iv. पाठ्य कहानियों का विभिन्न दृष्टिकोणों से मूल्यांकन कर सकेंगे।

इकाई 1. गोदान : प्रेमचंद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई 2. तमसः भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई 3. कहानियाँ

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

तेईस हिन्दी कहानियाँ- सं. जैनेन्द्र कुमार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

एक दुनिया समानांतर - सं. राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

हिन्दी कहानी संग्रह - सं.भीष्म साहनी, साहित्य अकादमी, दिल्ली

प्रतिनिधि कहानियाँ - जयशंकर प्रसाद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

प्रतिनिधि कहानियाँ- ज्ञानरंजन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

10 प्रतिनिधि कहानियाँ - कमलेश्वर, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली

घुसपैठिए - ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

पाठ्य कहानियाँ : निम्नांकित में से किन्हीं **पाँच** कहानियों का अध्ययन करना होगा -

(1) उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी (2) कफ़न - प्रेमचंद
(3) आकाशदीप - जयशंकर प्रसाद (4) तीसरी कसम - फणीश्वरनाथ रेणु
(5) चीफ़ की दावत - भीष्म साहनी (6) कोशी का घटवार - शेखर जोशी
(7) वापसी - ऊषा प्रियंवदा (8) राजा निरबंसिया - कमलेश्वर
(9) पिता- ज्ञानरंजन (10) शवयात्रा- ओमप्रकाश वाल्मीकि

सहायक ग्रंथः

1. हिंदी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी उपन्यास का विकास - मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. गोदान : नया परिप्रेक्ष्य - गोपाल राय, अनुपम प्रकाशन,पटना
5. कहानीः नयी कहानी – नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. नयी कहानी संवेदना और स्वरूप - राजेन्द्र यादव,नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. कहानी की बात - मार्कण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

8. नयी कहानी संदर्भ और प्रकृति - देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. कुछ कहानियाँ, कुछ विचार - विश्वनाथ त्रिपाठी,वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. हिंदी कहानी का इतिहास (भाग- 1 से 3 तक) - गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. गोदान : अध्ययन की समस्याएँ- डॉ.गोपाल राय, ग्रंथ निकेतन, पटना

मूल्यांकन पद्धतिः

1. इस पत्र का पूर्णांक 100है, जिसमें सतत मूल्यांकन हेतु 40 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 60अंक निर्धारित हैं।
2. सतत मूल्यांकन दो चरणों में C1एवं C2के आधार पर किया जाएगा।
3. इस पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे निर्धारित है।
4. सत्रांत परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। (3x15=45 अंक)
5. प्रत्येक इकाई से कम-से कम एक-एक और कुल चार व्याख्याएँ पूछी जाएँगी, जिनमें से दो व्याख्याएँ करनी होंगी। (2x2x7½=15 अंक)

HIN/Mj/601 **पूर्वोत्तर भारत और हिंदी साहित्य** **क्रेडिट - 3**

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी :

i. पूर्वोत्तर भारत और हिंदी साहित्य के संबंध को समझ सकेंगे।

ii. पूर्वोत्तर भारत की संस्कृति के विभिन्न पहलुओं से परिचित हो सकेंगे।

iii. पूर्वोत्तर भारत की अनूदित लोक कथाओं के माध्यम से पूर्वोत्तर के विभिन्न जनजातीय समाजों की लोक-संस्कृति को समझ सकेंगे।

iv. पूर्वोत्तर भारत की अनूदित आदिवासी कहानियों के माध्यम से पूर्वोत्तर के आदिवासी समाज के मूल्यों-मान्यताओं से परिचित हो सकेंगे।

v. हिंदी उपन्यासों में पूर्वोत्तर भारत के चित्रण के आधार पर हिंदी साहित्य और पूर्वोत्तर भारत के संबंध को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे।

vi. यात्रा-वृत्तांत के माध्यम से पूर्वोत्तर भारत की सांस्कृतिक, साहित्यिक, राजनीतिक यात्रा के अनुभवों से परिचित हो सकेंगे और पूर्वोत्तर के प्रति बहुत- से पूर्वग्रहों से मुक्त हो सकेंगे।

vii. पूर्वोत्तर भारत की हिंदी कविता के परिदृश्य एवं काव्य-संवेदना के विभिन्न पक्षों से परिचित हो सकेंगे।

इकाई 1. पूर्वोत्तर भारत की अनूदित लोककथाएँ एवं आदिवासी कहानियाँ

पाठ्य लोककथाएँ : निम्नांकित में से किन्हीं **चार** लोक कथाओं का अध्ययन करना होगा -

i) चेतुआंग (कॉककबरक /त्रिपुरा) ii) फगोरिप और तम्बम (लेपचा/सिक्किम) iii) मिथुन पालने की कथा (मिजो/मिजोरम)

iv) बांसुरी की वेदना (बोडो/असम) v) चाँद पर बरगद (मैते/ मणिपुर) vi) थाफो और थालाई की कथा (मरा/मिजोरम)

vii) चलकूङा और थङह्न्याङी की प्रेम कथा (मिजो/मिजोरम) viii) धान की खोज (आपातानी/अरुणाचल प्रदेश)

xi) त्सोऊ और तेरहुओपुडियू की प्रेम कहानी (अंगामी /नागालैंड) x) मोर के पंख सुंदर कैसे बने (खासी/मेघालय)

पाठ्य पुस्तक : पूर्वोत्तरः आदिवासी सृजन मिथक एवं लोककथाएँ - सं. रमणिका गुप्ता, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली
मिजोरम की लोककथाएँ - सं. संजय कुमार, प्रभात पेपरबैक्स, नई दिल्ली

पाठ्य आदिवासी कहानियाँ: निम्नांकित में से किन्हीं **चार** कहानियों का अध्ययन करना होगा -

i) आईना (शेरदुकपेन/ अरुणाचल प्रदेश) ii) शिक्षक (कार्बी/ असम) iii) रंग अबीर का पडा फीका (मैतेई / मणिपुर)

iv) निराशा के उस पार (मिजो/ मिजोरम) v) सूर्यास्त (खासी/ मेघालय) vi) भूमि- पुत्र (टैनिडे/ नागालैंड)

vii) शिउली की सुगंध (कॉककबरक/ त्रिपुरा) viii) मेरे मन मंदिर की स्वर्ण - दीपशिखा (लेपचा/ सिक्किम)

ix) उसका नाम यापी था (न्यीशी/ अरुणाचल प्रदेश) x) जंगल की आग (बोडो/ असम)

पाठ्य पुस्तक : पूर्वोत्तर की आदिवासी कहानियाँ - सं. रमणिका गुप्ता, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली
साक्षी है पीपल, जोराम यालाम नाबाम, अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली

इकाई 2. पूर्वोत्तर भारत और हिंदी उपन्यास

निम्नांकित में से किसी **एक** उपन्यास का अध्ययन करना होगा -

i) जहाँ बाँस फूलते हैं - श्रीप्रकाश मिश्र, यश पब्लिकेशन, दिल्ली

ii) उत्तर-पूर्व - लालबहादुर वर्मा, इतिहासबोध प्रकाशन, इलाहाबाद

iii) रूपतिल्ली की कथा - श्रीप्रकाश मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

iv) शव काटने वाला आदमी - येशे दोरजी थोङ्गची, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

v) जंगली फूल - जोराम यालाम नाबाम, अनुज्ञा प्रकाशन, दिल्ली

इकाई 3. पूर्वोत्तर भारत और हिन्दी यात्रा- वृत्तांत तथा पूर्वोत्तर की हिंदी एवं हिंदी में अनूदित कविताएँ

यात्रा- वृत्तांत : पाठ्य पुस्तकः वह भी कोई देश है महराज - अनिल यादव, अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद

कविताएँ : निम्नांकित में से किन्हीं **चार** कवियों की कविताओं का अध्ययन करना होगा –

i) हिजम इरावत - हो जाता पक्षी तो, बंदी जीवन (मणिपुरी- मणिपुर) (समन्वय पूर्वोत्तर, अंक-3, जुलाई-सितंबर, 2008)

ii) छिदेन तोङदेन लेप्चा - अंधेरे में आशा की एक किरण (लेप्चा- सिक्किम) (समन्वय पूर्वोत्तर, अंक-3, जुलाई-सितंबर, 2008)

iii) चंद्रकांत मूरासिंह - खुमतुई, कौन (कॉककबरक- त्रिपुरा)

(कॉककबरक की प्रतिनिधि कविताएँ, चयन एवं संपा.– प्रो. चंद्रकला पाण्डेय, अनुवाद - डॉ. मिलन रानी जमातिया, मानव प्रकाशन, कोलकाता)

iv) तेमसुला आओ - स्त्री, मेरा अंतिम गीत (अंग्रेजी- नागालैंड) (कंचनजंघा पत्रिका, वर्ष-1, अंक-2, जुलाई-दिसंबर, 2020)

v) एलविन तेरन - एक कार्बी बन्ना, श्रम का मौसम (कार्बी- असम) (समकालीन भारतीय साहित्य पत्रिका, नवंबर-दिसंबर, 2012)

vi) सी. कमलोवा - नारा (मिजो- मिजोरम)

(पूर्वांचल प्रदेश में हिंदी भाषा और साहित्य - डॉ. सी. ई. जीनी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1990)

vii) नीलिम कुमार - नमक, धूप (असमिया- असम)

(एक खाली घर घुस आया मेरे भीतर, नीलिम कुमार, धौली बुक्स, भुवनेश्वर, 2018)

viii) जमुना बीनी तादर - वे अलसाए दिन, लौटने के इंतजार में (न्यीशी- अरुणाचल प्रदेश)

(जब आदिवासी गाता है, जमुना बीनी तादर, परिंदे प्रकाशन, दिल्ली, 2018)

सहायक ग्रंथः

1. लोक संस्कृति की रूपरेखा - कृष्णदेव उपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. आदिवासी कौन? - रमणिका गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. आदिवासी साहित्य-यात्रा - रमणिका गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. आदिवासीः विकास से विस्थापन - रमणिका गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. आदिवासी शौर्य और विद्रोह - रमणिका गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. झारखंड के आदिवासियों के बीच - वीरभारत तलवार, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
7. श्रीप्रकाश मिश्र की साहित्य साधना की परख - डॉ. सुरेश चन्द्र, अमन प्रकाशन, कानपुर
8. कॉकबरक की प्रतिनिधि कविताएँ- संपा.- चंद्रकला पाण्डेय, अनुवाद- डॉ. मिलन रानी जमातिया, मानव प्रकाशन, कोलकाता

मूल्यांकन पद्धतिः

1. इस पत्र का पूर्णांक 100 है, जिसमें सतत मूल्यांकन हेतु 40 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 60 अंक निर्धारित हैं।
2. सतत मूल्यांकन दो चरणों में C1 एवं C2 के आधार पर किया जाएगा।
3. इस पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे निर्धारित है।
4. सत्रांत परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। (3x15=45 अंक)
5. प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक-एक और कुल चार व्याख्याएँ पूछी जाएँगी, जिनमें से दो व्याख्याएँ करनी होंगी। (2x7½=15 अंक)

HIN/Mn/602 हिंदी गद्य साहित्य: विविध विधाएँ क्रेडिट - 2

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी :

i. हिंदी गद्य की विभिन्न विधाओं की सामान्य जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
ii. संस्मरण एवं रेखाचित्र के बीच अंतर को समझ सकेंगे तथा पाठ्य संस्मरण 'सरजू भैया' , 'संस्मरण : प्रेमचंद' तथा 'आदमी का बच्चा' की विभिन्न दृष्टियों से समीक्षा कर सकेंगे।
iii. फणीश्वरनाथ रेणु के विभिन्न रिपोतार्ज के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
iv. फणीश्वरनाथ रेणु के रिपोतार्ज ऋणजल धनजल का विभिन्न दृष्टिकोणों से मूल्यांकन कर सकेंगे।
v. जीवनी तथा आत्मकथा में अंतर को समझ सकेंगे तथा निराला के जीवन को 'निराला की साहित्य- साधना (भाग-1)' जीवनी के आधार पर जान सकेंगे और उसका मूल्यांकन कर सकेंगे।
vi. दलित- विमर्श तथा दलित आत्मकथा से परिचित हो सकेंगे तथा तुलसीराम की आत्मकथा मुर्दहिया की दलित- विमर्श में भूमिका को समझ सकेंगे।

इकाई 1. संस्मरण, रेखाचित्र एवं रिपोर्ताज : विधागत स्वरूप

संस्मरण एवं रेखाचित्र:

सरजू भैया – रामवृक्ष बेनीपुरी
संस्मरणः प्रेमचंद – महादेवी वर्मा
आदमी का बच्चा – हरिशंकर परसाई

पाठ्य पुस्तक: हिन्दी के श्रेष्ठ रेखाचित्र – सं. चौथीराम यादव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

रिपोर्ताजः ऋणजल धनजल- फणीश्वरनाथ रेणु, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई 2. जीवनी एवं आत्मकथा: विधागत स्वरूप

जीवनी: निराला की साहित्य- साधना (भाग–1)– रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

आत्मकथा: मुर्दहिया- तुलसीराम, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सहायक ग्रंथः

1. हिंदी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. हिंदी गद्यः विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. आधुनिक गद्य की विविध विधाएँ - उदयभानु सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. रामवृक्ष बेनीपुरी – रामवचन राय, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
5. शिवपूजन सहाय - मंगलमूर्ति, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
6. रेणु का है अन्दाजे बयाँ और - भारत यायावर,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. महादेवी - इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
8. महादेवी डॉ. परमानन्द श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. निराला - इंद्रनाथ मदान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. निराला - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र – ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

मूल्यांकन पद्धतिः

1. इस पत्र का पूर्णांक 100 है, जिसमें सतत मूल्यांकन हेतु 40 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 60 अंक निर्धारित हैं।
2. सतत मूल्यांकन दो चरणों में C1एवं C2 के आधार पर किया जाएगा।
3. इस पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे निर्धारित है।
4. सत्रांत परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा।(2x20=40 अंक)
5. प्रत्येक इकाई से दो-दो कुल चार व्याख्याएँ पूछी जाएँगी, जिनमें से दो व्याख्याएँ करनी होंगी। (2x10=20 अंक)

HIN/Mn/603 **हिंदी में रचनात्मक लेखन** **क्रेडिट - 2**

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी :

i. रचनात्मकता के अभिप्राय को समझ सकेंगे।
ii. रचनात्मक साहित्य के स्वरूप, प्रकार एवं लेखन की चुनौतियों से परिचित हो सकेंगे।
iii. रचनात्मक लेखन की प्रक्रिया तथा उसके विभिन्न चरणों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
iv. कविता, कहानी, लघुकथा, संस्मरण, डायरी आदि विभिन्न साहित्य-विधाओं के पाठ की प्रक्रिया को समझ सकेंगे।
v. कविता, कहानी, लघुकथा, नाटक, संस्मरण, डायरी, फीचर आदि विभिन्न साहित्य-विधाओं के लेखन की पद्धति और प्रक्रिया से अवगत हो सकेंगे।
vi. कविता, कहानी आदि के लेखन-अभ्यास के उपरांत रचनात्मक लेखन की दिशा की ओर प्रेरित हो सकेंगे।

इकाई 1. रचनात्मकता का अभिप्राय; रचनात्मक साहित्यः स्वरूप, प्रकार एवं चुनौतियाँ

इकाई 2. रचनात्मक लेखन की प्रक्रिया; कविता, कहानी, लघुकथा, नाटक, संस्मरण, डायरी, फीचर, पटकथा एवं अन्य विधाएँ: लेखन पद्धति, पाठ की पद्धति, लेखन अभ्यास

सहायक ग्रंथः

1. रचनात्मक लेखन - सं. रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
2. एक साहित्यिक की डायरी - मुक्तिबोध, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
3. साहित्य तथा कला – मार्क्स-एंगेल्स, पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
4. कला की ज़रूरत – अर्नाल्ड हाउज़र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

मूल्यांकन पद्धतिः

1. इस पत्र का पूर्णांक 100 है, जिसमें सतत मूल्यांकन हेतु 40 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 60 अंक निर्धारित हैं।
2. सतत मूल्यांकन दो चरणों में C1 एवं C 2 के आधार पर किया जाएगा।
3. इस पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे निर्धारित है।
4. सत्रांत परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। (2x20=40 अंक)
5. प्रत्येक इकाई से दो-दो और कुल चार टिप्पणियाँ/लेखन अभ्यास से संबंधित प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दो का उत्तर लिखना होगा । (2x10=20 अंक)

HIN/FP/604 **परियोजना कार्य - III** **क्रेडिट - 4**

परियोजना कार्य हेतु सेमेस्टर के प्रारम्भ में ही किसी एक विषय/ संस्था का चयन विद्यार्थी को करना होगा, जिस पर उसे 10 से 20 पृष्ठ का लिखित प्रतिवेदन विभाग में जमा करना होगा।

मूल्यांकन पद्धति :

1. इस पत्र का पूर्णांक 100 है, जिसमें सतत मूल्यांकन हेतु 40 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 60 अंक निर्धारित हैं।
2. सतत मूल्यांकन दो चरणों में C1 एवं C 2 के आधार पर किया जाएगा।
3. इस पत्र की सत्रांत परीक्षा लिखित प्रतिवेदन 35 अंक और उसकी प्रस्तुति एवं मौखिकी का मूल्यांकन 25 अंक के आधार पर किया जाएगा।

HIN/Mj/605 **लघु शोध प्रबंध -I** **क्रेडिट - 6**

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी :

i. अनुसंधान की प्रक्रिया से अवगत हो सकेंगे ।
ii. संदर्भोल्लेख की प्रणालियों को बता सकेंगे ।
iii. शोध एवं प्रकाशन संबंधी आचार से अवगत हो सकेंगे।
iv. बौद्धिक ईमानदारी और शोध की प्रामाणिकता संबंधी मुद्दों से परिचित हो सकेंगे।
v. शोध-पत्र लेखन एवं प्रकाशन संबंधी तकनीकी पहलुओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
vi. शोध एवं प्रकाशन संबंधी कदाचार, साहित्यिक चोरी आदि से संबन्धित नियमों से परिचित हो सकेंगे।
vii. शोध प्रस्ताव निर्माण की प्रक्रिया को समझ सकेंगे।

इकाई 1. अनुसंधान की प्रक्रिया - विषय चयन, सामग्री संकलन, शोध कार्य का विभाजन, रूपरेखा, शोध-भाषा, उद्धरण, पाद टिप्पणी, संदर्भों का उपयोग, संदर्भ ग्रन्थ सूची

इकाई 2. शोध-आचार एवं शोध संबंधी दिशा निर्देश :

(i) शोध के संबंध में बौद्धिक ईमानदारी और शोध की प्रामाणिकता

(ii) शोध संबंधी कदाचार, समस्याएँ एवं निराकरण

इकाई 3. शोध विषय का निर्धारण, शोध प्रस्ताव का निर्माण एवं प्रस्तुति

सहायक ग्रंथ:

1. अनुसंधान की प्रक्रिया - सं. सावित्री सिन्हा व विजयेन्द्र स्नातक, नेशनल पब्लिशिग हाउस, दिल्ली
2. अनुसंधान का स्वरूप - सं. सावित्री सिन्हा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
3. अनुसंधान और आलोचना - डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिग हाउस, दिल्ली
4. शोध और सिद्धांत - डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
5. शोध कैसे करें? - पुनीत बिसारिया, अटलांटिक प्रकाशक, दिल्ली

मूल्यांकन पद्धति :

1. इस पत्र का पूर्णांक 100 है, जिसमें सतत मूल्यांकन हेतु 40 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 60 अंक निर्धारित हैं।
2. सतत मूल्यांकन दो चरणों में C1 एवं C 2 के आधार पर किया जाएगा।
3. इस पत्र की सत्रांत परीक्षा शोध प्रस्ताव 40 अंक और उसकी प्रस्तुति का मूल्यांकन 20 अंक के आधार पर किया जाएगा।

चतुर्थ सेमेस्टर

HIN/Mj/650A **कबीरः विशेष अध्ययन** **क्रेडिट – 4**

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी :

i. कबीर और उनकी कविता के गहन अध्ययन की तकनीक सीख सकेंगे।
ii. कबीर के समय, समाज तथा उस युग की रचनाशीलता से परिचित हो सकेंगे।
iii. निर्गुण भक्तिधारा में कबीर के महत्व को समझने के साथ-साथ कबीर के व्यक्तित्त्व, कबीर की विभिन्न छवियों तथा हिंदी आलोचना में कबीर संबंधी विभिन्न मतों के संबंध में जानकारी हासिल कर सकेंगे।
iv. कबीर की कविता के अध्ययन की समस्याओं, कबीर की कविता के विभिन्न स्रोत और पाठ निर्धारण एवं प्रामाणिकता की समस्या से अवगत हो सकेंगे।
v. कबीर की काव्य-संवेदना, भक्ति एवं धर्म संबंधी दृष्टि, सामाजिक दृष्टि, नारी और जाति-वर्ण संबंधी दृष्टि को जान-समझ सकेंगे।
vi. कबीर के विभिन्न पदों एवं साखियों के माध्यम से उनके कवि-व्यक्तित्त्व को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे।

इकाई 1. कबीर का समय: परिस्थितियाँ, युगबोध एवं रचनाशीलता, निर्गुण भक्तिधारा और कबीर, कबीर का व्यक्तित्व, कबीर और हिंदी आलोचना

इकाई 2. कबीर और उनकी कविता के अध्ययन की समस्याएँ, कबीर की कविता के विभिन्न स्रोत, पाठ निर्धारण एवं प्रामाणिकता की समस्या, कबीर की विभिन्न छवियाँ

इकाई 3. कबीर की काव्य संवेदना: भक्ति, सामाजिक दृष्टि, धार्मिक दृष्टि, नारी- दृष्टि, जाति-प्रश्न

इकाई 4. पाठ्य अंश

पाठ्यपुस्तक: कबीर ग्रंथावली- संपादक श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

पाठ्य पद संख्या -1, 11, 16, 24, 39, 43, 44, 57, 111, 307 (कुल 10 पद)

पाठ्य साखियाँ- (कुल 15 साखी)

गुरुदेव कौ अंग- 03, 15, 11

सुमिरण कौ अंग- 09

बिरह कौ अंग- 03, 12, 18, 45

परचा कौ अंग- 14, 17, 35

कामी नर कौ अंग - 07, 10, 11

कस्तूरियाँ मृग कौ अंग- 01

सहायक ग्रंथः

1. कबीर ग्रंथावली - सं. श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. कबीर -हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कबीर: एक नयी दृष्टि - रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. कबीर के आलोचक - डॉ.धर्मवीर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. अकथ कहानी प्रेम की : कबीर की कविता और उनका समय – पुरुषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. विचार का अनंत – पुरुषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. जाति के प्रश्न पर कबीर - कमलेश वर्मा, फॉरवर्ड प्रेस, नई दिल्ली

मूल्यांकन पद्धतिः

1. इस पत्र का पूर्णांक 100 है, जिसमें सतत मूल्यांकन हेतु 40 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 60 अंक निर्धारित हैं।
2. सतत मूल्यांकन दो चरणों में C1 एवं C 2 के आधार पर किया जाएगा।
3. इस पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे निर्धारित है।
4. सत्रांत परीक्षा में प्रारंभिक तीन इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। चतुर्थ प्रश्न के रूप में प्रारंभिक तीन इकाई से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से एक का उत्तर लिखना होगा। (12x4=48 अंक)
5. इकाई चार से कुल चार व्याख्याएँ पूछी जाएँगी, जिनमें से दो व्याख्याएँ करनी होंगी। (6x2=12 अंक)

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी :

i. प्रेमचंद और उनके साहित्य के गहन अध्ययन की तकनीक सीख सकेंगे।
ii. प्रेमचंद की जीवनी के माध्यम से उनके जीवन के विभिन्न प्रसंगों से परिचित हो सकेंगे।
iii. प्रेमचंद के लेखन के आधार पर किसान, राष्ट्रवाद, सांप्रदायिकता आदि प्रश्नों पर प्रेमचंद की दृष्टि से अवगत हो सकेंगे।
iv. प्रेमचंद की स्त्री-दृष्टि एवं दलित-दृष्टि की स्पष्ट समझ विकसित कर सकेंगे।
v. 'कर्मभूमि' उपन्यास के माध्यम से एक उपन्यासकार के रूप में प्रेमचंद का मूल्यांकन कर पाने की समझ विकसित कर सकेंगे।
vi. विभिन्न कहानियों के आधार पर कहानीकार प्रेमचंद की विशिष्टताओं की पहचान कर सकेंगे।

इकाई 1. प्रेमचंद के जीवन के विविध प्रसंग

पाठ्य पुस्तक: कलम का सिपाही - अमृत राय, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद

इकाई 2. प्रेमचंद और विविध प्रश्न: प्रेमचंद और किसान प्रश्न, प्रेमचंद और राष्ट्रवाद, प्रेमचंद और स्त्री प्रश्न, प्रेमचंद और दलित प्रश्न, प्रेमचंद और साम्प्रदायिक प्रश्न

इकाई 3. उपन्यास का विशेष अध्ययन

पाठ्य पुस्तक: कर्मभूमि, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

इकाई 4. प्रेमचंद की कहानियाँ: सदगति, पूस की रात, दूध का दाम, माता का हृदय, विध्वंस, दो बैलों की कथा, ईदगाह, बूढ़ी काकी

पाठ्य पुस्तक: मानसरोवर (भाग 1, 2, 3, 8), हंस प्रकाशन, इलाहाबाद

सहायक ग्रंथः

1. प्रेमचंद घर में - शिवरानी देवी, आत्माराम एंड संस, दिल्ली
2. प्रेमचंद विविध प्रसंग - सं. अमृत राय, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद
3. प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. प्रेमचंद - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रेमचंद : एक साहित्यिक विवेचन - नन्ददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. प्रेमचंद: जीवन और कृतित्व - हंसराज रहबर, आत्माराम एंड संस, दिल्ली
7. प्रेमचंद का अप्राप्य साहित्य - सं. कमलकिशोर गोयनका, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
8. प्रेमचंद: अध्ययन की नयी दिशाएँ - कमलकिशोर गोयनका, साहित्य निधि प्रकाशन, दिल्ली
9. किसान, राष्ट्रीय आंदोलन और प्रेमचंद - वीर भारत तलवार, नॉर्दन बुक सेंटर, दिल्ली
10. राष्ट्रीय नवजागरण और साहित्य - वीर भारत तलवार, सरस्वती पुस्तक भंडार, दिल्ली
11. दलित साहित्य की अवधारणा और प्रेमचंद - सं. सदानन्द साही, प्रेमचंद साहित्य संस्थान, गोरखपुर
12. प्रेमचंद और भारतीय समाज - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
13. प्रेमचंद: विगत महत्ता वर्तमान अर्थवत्ता - सं.मुरली मनोहर प्रसाद सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
14. गोदान : अध्ययन की समस्याएँ - डॉ. गोपाल राय, ग्रंथ निकेतन, पटना

मूल्यांकन पद्धतिः

1. इस पत्र का पूर्णांक 100 है, जिसमें सतत मूल्यांकन हेतु 40 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 60 अंक निर्धारित हैं।
2. सतत मूल्यांकन दो चरणों में C1 एवं C 2 के आधार पर किया जाएगा।
3. इस पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे निर्धारित है।
4. सत्रांत परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। (12x4=48 अंक)
5. इकाई तीन एवं चार से कुल चार व्याख्याएँ पूछी जाएँगी, जिनमें से दो व्याख्याएँ करनी होंगी। (6x2=12 अंक)

HIN/FP/651 **परियोजना कार्य - IV** **क्रेडिट - 4**

परियोजना कार्य हेतु सेमेस्टर के प्रारम्भ में ही किसी एक विषय/ संस्था का चयन विद्यार्थी को करना होगा जिस पर उसे 10 से 20 पृष्ठ का लिखित प्रतिवेदन विभाग में जमा करना होगा।

मूल्यांकन पद्धति :

1. इस पत्र का पूर्णांक 100 है, जिसमें सतत मूल्यांकन हेतु 40 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 60 अंक निर्धारित हैं।
2. सतत मूल्यांकन दो चरणों में C1 एवं C 2 के आधार पर किया जाएगा।
3. इस पत्र की सत्रांत परीक्षा लिखित प्रतिवेदन 35 अंक और उसकी प्रस्तुति एवं मौखिकी का मूल्यांकन 25 अंक के आधार पर किया जाएगा।

विद्यार्थी को अपने निर्धारित शोध विषय पर 40 से 50 पृष्ठ का लघु शोध प्रबंध लिखकर विभाग में जमा करना होगा।

मूल्यांकन पद्धति :

1. इस पत्र का पूर्णांक 100 है, जिसमें सतत मूल्यांकन हेतु 40 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 60 अंक निर्धारित हैं।
2. सतत मूल्यांकन दो चरणों में C1 एवं C 2 के आधार पर किया जाएगा।
3. इस पत्र की सत्रांत परीक्षा शोध प्रस्ताव 40 अंक और उसकी प्रस्तुति का मूल्यांकन 20 अंक के आधार पर किया जाएगा।